EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.ISEMESTER

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLC-101	गढ़वालीभाषाएवंव्याकरण	06	30	70
	Total	06	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.IISEMESTER

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLC-201	समकालीनगढ़वालीभाषाकाव्य	06	30	70
	Total	06	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.IIISEMESTER (Core Course)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLC-301	गढ़वालीभाषाकाइतिहासऔरसाहित्य	06	30	70
	Total	06	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.IIISEMESTER (Skill)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLS-301	गढ़वालीसंस्कृति	04	30	70
	Total	04	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.IVSEMESTER (Core Course)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLC-401	गढ़वालीभाषागद्य	06	30	70
	Total	06	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.IVSEMESTER (Skill)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLS-401	गढ़वालविषयकसामान्यज्ञान - I	04	30	70
	Total	04	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.VSEMESTER (Core Course)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLC-501	प्रयोजनमूलकगढ़वाली	06	30	70
	Total	06	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.VSEMESTER (Skill)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLS-501	गढ़वालविषयकसामान्यज्ञान - II	04	30	70
	Total	04	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.VSEMESTER (Generic)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLG-501	गढ़वालीगीतकारएवं गायिकी का अध्ययन	06	30	70
	Total	06	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A. VISEMESTER (Core Course)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLC-601	गढ़वालीसंस्कृति, वाद्ययंत्रएवंसंगीत	06	30	70
	Total	06	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A. VISEMESTER (Skill)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLC-601	गढ़वालविषयकसामान्यज्ञान - III	04	30	70
	Total	04	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

EXAMSTRUCTURE-GARHWALILANGUAGEANDCULTURE –TOTALCREDITS

B.A.VISEMESTER (Generic)

Code	TitleofCourse/Paper	Credit	Marks	
			Internal	External
BGLG-601	गढ़वालीलोकगीतएवंगढ़वालीभाषा केविकासमेंउत्तराखंडसरकारकायोगदान	06	30	70
	Total	06	30	70

अंकविभाजन -

1- दोआलोचनात्मकप्रश्न -15×2=30

2- चारलघुउत्तरीयप्रश्न -4×5=20

3- दसअतिलघुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठप्रश्न-10×2=20

SHRIGURURAMRAIUNIVERSITY

(Estd. by Govt. of Uttarakhand, vide Shri Guru Ram Rai University Act no. 03 of 2017)PATEL NAGAR,DEHRADUN, 248001,UTTARAKHAND, INDIA

SYLLABUS OF GARHWALI LANGUAGE AND CULTURE

(2020)

Program:B.A.

बी.ए.प्रथमसेमेस्टर
गढ़वालीभाषाएवंव्याकरण

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLC- 101
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- छात्रोंकोगढ़वालीभाषाकेव्याकरणकाज्ञानउपलब्धकरवानेकेलिए।
2- गढ़वालीभाषाकेमानकीकरणसंबंधितजानकारीकेलिए।
3- गढ़वालीवाक्यनिर्माणकेसमुचितअध्ययनकेलिए।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- भाषाअध्ययनऔरभाषाव्याकरण
2- गढ़वालीकाव्याकरणिकस्वरुप :वर्णमाला, उच्चारण, वर्तनी
3- गढ़वालीकाशब्दकोश - तद्भव, तत्सम, विदेशी, पर्यायवाची, विलोम, समानार्थी, अनेकार्थीशब्द
4- स्वरध्वनियां - गढ़वालीकीस्वरध्वनियां, अनुनासिकऔरअनुस्वार, स्वरसंयोग, अर्धस्वर, स्वरोंकीउत्पत्ति, स्वरपरिवर्तनकेरुप, आदिस्वर, मध्यस्वर, अंत्यस्वर, स्वराघात
5- गढ़वालीकीव्यंजनध्वनियां - उत्पत्ति,परिवर्तनकेरुपएवंविपर्यय
6- संज्ञाकेरुप - लिंग,वचन,कारक,ज्ञापकशब्दावली
7- सर्वनाम - उत्तमपुरुष, मध्यमपुरुष, निश्चयवाचक, संबंधवाचक, प्रश्नवाचक, अनिश्चयवाचक
8-गढ़वालीवाक्य - परिभाषा,भेदएवंप्रकार
9- विशेषण, प्रत्ययऔरउपसर्ग
10- विरामचिह्न
11- गढ़वालीभाषाकामानकीकरण :समस्याऔरसमाधान

सहायकग्रंथ:
1- गढ़वालीभाषा :एकभाषाशास्त्रीयऔरव्याकरणिकअध्ययन–डॉ.गोविन्दचातक
2- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्टशैलेश
3- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य–डॉ.जनार्दनप्रसादकाला
4- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष–डॉ.अचलानंद
5- गढ़वाली व्याकरण की रुपरेखा- अबोध बन्धु बहुगुणा
6- गढ़वाली व्याकरण - भुवनेश्वर जुयाल तथा वाचस्पति डोभाल

बी.ए. द्वितीयसेमेस्टर
समकालीनगढ़वालीभाषाकाव्य

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLC- 201
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालीभाषाकेकविऔरउनकीकृतियोंकापरिचय।
2- गढ़वालीकवियोंकासाहित्यिकअवदान।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- शैलवाणी - अबोधबन्धुबहुगुणाद्वारासंकलित
2- डाँड्यूं कु रैबार - गोकुलानंद त्रिपाठी
3- डाल्युं कु दगड्यों - तोताराम ढौंडियाल
4-विदाई – प्रो. दिनेश चमोला'शैलेश' (पृष्ठ संख्या- 63-64) 10 पद
5- बर्सुबाद - मदनमोहनडुकलान
6-हमारिभाषा- नरेन्द्रकठैत
7-घट मूं - जगदम्बा चमोला
8- उत्तराखंड महान (गढ़ स्तुति) - संदीप रावत

सहायकग्रंथ:
1- गढ़वालीगीतसंग्रह - तोतारामढौंडियाल 'जिज्ञासु'
2-विदाई खंडकाव्य– प्रो. दिनेश चमोला'शैलेश'
3- गाजी डॉट कॉम(कवितासंग्रह) -जगदम्बा चमोला
4-अपणोऐनाअपणीअंद्वार(कवितासंग्रह) - मदनमोहनडुकलान
5-तबारिअरअबारि(कवितासंग्रह)- नरेन्द्रकठैत
6- तू हिटदी जा (कवितासंग्रह) - संदीप रावत
7- रससिद्धांतकीरुपरेखा – डॉ.नंदकिशोरढौंढियाल ‘अरुण’
8- गढ़वालीसाहित्यकार - विनयकुमारडबराल
9-रससिद्धांतकापुनर्विवेचन - गणपतिचंद्रगुप्त

बी.ए.तृतीयसेमेस्टर
गढ़वालीभाषाकाइतिहासऔरसाहित्य

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLC- 301
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालीभाषाकीशब्दसीमाओंकोसमझनेकेलिए।
2- गढ़वालीसाहित्यकाइतिहासऔरकालविभाजनकेसंदर्भमें।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालीभाषीक्षेत्र: 'गढ़वाली' शब्दकीव्युत्पत्ति, विभिन्नमतएवंमानकवर्तनी
2- गढ़वालीकीपृष्ठभूमि - ऐतिहासिक, धार्मिक, भौगोलिक, सामाजिकपृष्ठभूमिएवंगढ़वालीभाषीक्षेत्र
3- गढ़वालीकीविविधबोलियां: गढ़वालीबोलियोंकासामान्यपरिचय, भाषिकविशेषताएं, गढ़वालीबोलियोंकातुलनात्मकअध्ययन
4- गढ़वालीभाषाकाउद्भवएवंविकास,औरकालविभाजन
5- गढ़वालीसाहित्यकाइतिहासऔरकालविभाजन, प्रमुखप्रवृत्तियांएवंविशिष्टरचनाकार
6- आधुनिकगढ़वालीलोकसाहित्य -प्रचलितलोकगाथाएं एवंलोककथाएं
7-गढ़वालीसृजनात्मकसाहित्य

सहायकग्रंथ:
1- लोकसाहित्यकेप्रतिमान - कुन्दनलालउप्रेती
2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद
3- गढ़वालीलोकसाहित्यकाविवेचनात्मकअध्ययन - मोहनलालबाबुलकर
4- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य -डॉ.जनार्दनप्रसादकाला
5- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन - डॉ.जगदीशप्रसादनौडियाल
6- गढ़वालीभाषाऔरसाहित्य - श्रीअच्युतानंदघिल्डियाल
7- उत्तराखंडकीलोकभाषायें (गढ़वाली - कुमाऊनी - जौनसारी) - डॉ.अचलानंदजखमोला
8-गढ़वाली गद्य परंपरा - अनिल डबराल

बी.ए.तृतीयसेमेस्टर स्किल(कौशलसंवर्धनविकासपाठ्यक्रम)

गढ़वालीसंस्कृति

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे

विषयकोड - BGLS- 301

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1- गढ़वालकीसंस्कृतिकोविस्तारपूर्वकजानना।

2- गढ़वालक्षेत्रमेंरीतिरिवाजोंकामहत्व।

निर्धारितपाठ्यक्रमः

1- गढ़वालकेप्रमुखरीतिरिवाजोंएवंत्योहारोंकाअध्ययन

2- गढ़वालकेप्रमुखतीर्थस्थलोंकीविवेचना

3- गढ़वालकेप्रमुखवीर / वीरांगनाओंकापरिचय

4- उत्तराखंडकीसंस्कृतिऔरलोकविरासत

5- उत्तराखंडकीबोलियां

6-उत्तराखंडकीसांस्कृतिकविविधता

7-वैश्विक पटल परगढ़वालीसंस्कृति

सहायकग्रंथः

1- उत्तरकाशीजनपदकालोकसाहित्य - सुभाषचंद्रकुशवाहा

2- मध्यहिमालयकीलोकसंस्कृतितथाभारतीयसन्दर्भ–डॉ.गोविन्दचातक

3- लोकसाहित्यकीरूपरेखा–डॉ.कृष्णचन्द्रशर्मा

4- गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्टशैलेश

5- गढ़वालीलोकमानस–डॉ.शिवानंदनौटियाल

6- गढ़वालकेलोकगीतऔरलोकनृत्य–डॉ.शिवानंदनौटियाल

बी.ए.चतुर्थसेमेस्टर
गढ़वालीभाषागद्य

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे

विषयकोड - BGLC- 401

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

1-गढ़वालीलेखकोंद्वारारचितवर्तमानसमयमेंचलरहीसमस्याओंकोकहानीकेमाध्यमसेजानना।

2-गढ़वालीलेखकोंका साहित्यमेंयोगदानजानना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:

1- गढ़वालीकीलोककथाएं - डॉशिवानंदनौटियाल

2-मंगतूबौल्या(नाटक)- स्वरुपढौंडियाल

3- आसऔलाद (गढ़वालीहास्य-व्यंग्यनाटक) - कुलानन्दघनशाला

4- मेरिपुफु (कहानी)- ओमप्रकाशसेमवाल

सहायकग्रंथ:

1-गढ़वालीभाषाऔरउसकासाहित्य–डॉ.हरिदत्तभट्टशैलेश

2- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष - डॉ.अचलानंद

3- गढ़वालीभाषाऔरउसकालोकसाहित्य - डॉ.जनार्दनप्रसादकाला

4- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी

5- गढ़वालऔरगढ़वाल - चंद्रपालसिंहरावत

6-उत्तराखंडकीलोककथाएं- उमेशचमोला

बीएचतुर्थसेमेस्टरस्किल(कौशलसंवर्धनविकासपाठ्यक्रम)
गढ़वालविषयकसामान्यज्ञान - I

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLS- 401
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- उत्तराखंडकेसामान्यज्ञानकीजानकारीप्राप्तकरना।
2- उत्तराखंडकेप्रमुखकवियोंकापरिचयजानना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालकेप्रमुखपर्यटनस्थलोंकाअध्ययन
2- गढ़वालकेप्रमुखप्रयागोंकाअध्ययन
3- गढ़वालकेप्रमुखदेव स्थानोंकाअध्ययन
4- साठोत्तरीगढ़वालीसाहित्यकारोंकापरिचय

सहायकग्रंथ:
1- फूलोंकीघाटी - गिरिराजशाह
2- उत्तराखंडकीसंतपरंपरा - गिरिराजशाह
3- तराईकीपरंपरा - शैलेशमटियानी
4- उत्तराखंडकेधार्मिकएवंसांस्कृतिकपर्यटनस्थल–डॉ.जोधसिंहनेगी

बी.ए.पंचमसेमेस्टर
प्रयोजनमूलकगढ़वाली

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLC- 501
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालीभाषामेंपत्रतथानिबंधलेखनकाअभ्यास,
2- हिंदीसेगढ़वालीभाषामेंअनुवादकरना।

निर्धारितपाठ्यक्रमः
1- प्रयोजनमूलकगढ़वालीकाअभिप्राय, व्यावहारिकअनुप्रयोग : (क) शासकीयस्तरपर(ख) जनसंचारमाध्यम- मुद्रणमाध्यम(समाचारपत्र,पत्र –पत्रिकाएं),इलेक्ट्रॉनिकमाध्यम(रेडियो, टीवी, इंटरनेट, फिल्म, पटकथालेखन)(ग) गढ़वालीमेंकोशनिर्माणकार्य
2- शासकीयगढ़वालीपत्राचार (प्रारुपण)-शासकीयपत्र, अर्धशासकीयपत्र,कार्यालयआदेश, कार्यालयज्ञापन, सूचना, अधिसूचना, ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, आवेदनपत्र, प्रत्यावेदन,टिप्पणएवंप्रारुपण
3- गढ़वालीमेंसंक्षेपण, विस्तारणएवंसारलेखन (अपठितगद्यांश/ पद्यांश)
4- व्यावहारिकअनुवाद

सहायकग्रंथः
1- प्रयोजनमूलकप्रशासनिकहिंदी–प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'
2- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश - डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी
3- गढ़वालीभाषाकेअनालोचितपक्ष–डॉ.अचलानंद
4- अनुवादऔरअनुप्रयोग–प्रो.दिनेशचमोला'शैलेश'
5- प्रयोजनमूलक भाषा और अनुवाद - डॉ रामगोपाल सिंह जादौन

बी.ए.पंचमसेमेस्टरस्किल(कौशलसंवर्धनविकासपाठ्यक्रम)
गढ़वालविषयकसामान्यज्ञान - II

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLS- 501
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालक्षेत्रमेंरहनेवालीविभिन्नजनजातियोंकाअध्ययन
2- नंदाराजजातकाअध्ययन

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वालकीप्रमुखजनजातियोंकाअध्ययन
2- गढ़वालकेप्रमुखदेवी - देवताओंकाअध्ययन
3- उत्तराखंडकीप्रमुखबोलियोंकाअध्ययन
4- नंदाराजजातएकविस्तृतअध्ययन

सहायकग्रंथ:
1- संस्कृतिसंगमउत्तरांचलयमुनादत्तवैष्णव 'अशोक'
2- नंदादेवीउत्तराखंडकीदेवी - नंदाराजजातप्रथमसंस्करण - रमाकांतबेंजवाल
3- नंदाराजजात - उत्तराखंडमेंनंदादेवीकीउत्सवएवंजातपरंपरा
4- उत्तराखंडकेधार्मिकएवंसांस्कृतिकपर्यटनस्थल–डॉ.जोधसिंहनेगी

बीएपंचमसेमेस्टरजेनेरिकविषय
गढ़वालीगीतकारएवं गायिकी काअध्ययन

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLG- 501

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -

- गढ़वालीगीतकारोंएवं लेखकों कागढ़वालीसंस्कृतिकेसंरक्षणऔरसंवर्धनहेतुयोगदानस्पष्टकरना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1-कन्हैयालाल डंडरियाल
2- जीतसिंहनेगी
3-भगवतीप्रसादपोखरियाल
4-बसंतीबिष्ट
5-नरेन्द्रसिंहनेगी
6-प्रीतमभरतवाण
7- संगीताढौंढियाल

सहायकग्रंथ:
1- उत्तराखंडकेनयेपुरानेगीतोंकासंग्रह
2- गढ़वालीनयेपुरानेगीतोंकासंग्रह
3- गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ. हरिदत्त भट्ट 'शैलेश'
4-कुयेडी, नागरजा-कन्हैयालाल डंडरियाल
5-कोहोलीबीरा- जीतसिंहनेगी
6-खुचकंडी-नरेन्द्रसिंहनेगी
7-सुर्ज काँठ्यौं- प्रीतमभरतवाण

नोट- उपर्युक्तगीतोंकेअध्ययनकेलिएआवश्यकतानुसारयूट्यूबऔरइंटरनेटकाउपयोगकियाजासकताहै।

बी.ए.षष्ठसेमेस्टर
गढ़वालीसंस्कृति,वाद्ययंत्रएवंसंगीत

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLC- 601
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- गढ़वालकेप्रचलितलोकवाद्ययंत्रोंकाअध्ययनकरना।
2- गढ़वालीलोकगीतऔरलोकनृत्योंकाअध्ययन

निर्धारितपाठ्यक्रम:
<u>गढ़वालीवाद्ययंत्र</u>
1- ढोल- दमाऊं
2- तूतडी
3- जाउनिमूरली
4- थालीवडौर- थाली
5- नागार, मादलवढोलक
<u>गढ़वालीसंगीत</u>
1- घडयालियानृसिंगकाजागर, भैरव, गोलू, गंगनाथ
2-नंदादेवीजागर, आठोंकीपरंपरा, डगोली, बदियाकोट, वनमुनदोली, नौटी, लाता, कुरुर, नागपुर (उर्गमऔरपंचगें) एवंसाड़ी (उखीमठ)
3- पंडवानी: मंदाकिनीघाटी, ग्यारहगो, हिंदू, जौनसार, अगस्त्यमुनि/ महाभारत
4- महाभारतवबब्रूवाहनकेगीत, बईमाता, बलराम, कृष्णकीलीलाएं, रामायणकेगीत
5- समकालीनगायिकी
<u>गढ़वालीनृत्य</u>
1- झोरा, चांचरी, छपेली, रमोला, नर्सिंग, गोरिलएवंछोलिया
2- पांडव, बगड़वाल ,ऐरी - आछरी
3- बोक्सा, थारू, राजीनृत्य

सहायकग्रंथ:
1- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन–डॉ.जगदीशप्रसादनौड़ियाल
2- डांसिंगविदवेवतास :ड्रम्स, पॉवरएंडपोस्सेशनइनदम्यूजिकऑफगढ़वाल - एंड्रूअल्टर
3- गढ़वालीजागर (लोकगीततथाप्रक्रिया) - डॉनंदकिशोरढौडियालअरुण
4- गढ़वालीलोकगीतविविधा (विभिन्नअवसरोंपरगाएजानेवालेगीत) - डॉगोविन्दचातक
5- गढ़वालकेलोकनृत्य - डॉशिवानंदनौटियाल

बी.ए.षष्ठसेमेस्टरस्किल(कौशलसंवर्धनविकासपाठ्यक्रम)
गढ़वालविषयकसामान्यज्ञान - III

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLS- 601
उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै -
1- उत्तराखंडकाइतिहासजाननेकेलिए।
2- गढ़वालकीप्रमुखसंगीतविधाओंएवंवाद्ययंत्रोंकीजानकारीप्राप्तकरनेकेलिए।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1- गढ़वाल काइतिहास
2- गढ़वालऔरहिमालय
3- गढ़वालऔरनदीसंस्कृति
4- गढ़वालकीबाह्यऔरआभ्यंतरसंस्कृति

सहायकग्रंथ:
1- उत्तराखंडकीसांस्कृतिकधरोहर - रवाईक्षेत्रकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकअध्ययन–डॉ.जगदीशप्रसादनौडियाल
2- उत्तराखंडकानवीनइतिहास–डॉ.यशवंतसिंहकठोच
3- उत्तराखंडसमग्रज्ञानकोश–डॉ.राजेन्द्रप्रसादबलोदी
4- गढ़वालीजागर (लोकगीततथाप्रक्रिया) - डॉ.नंदकिशोरढौंडियाल 'अरुण'
5- गढ़वालीलोकगीतविविधा (विभिन्नअवसरोंपरगाएजानेवालेगीत) –डॉ.गोविंदचातक

बीएषष्ठसेमेस्टरजेनेरिकविषय
गढ़वालीलोकगीतएवंगढ़वालीभाषाकेविकासमेंउत्तराखंडसरकारकायोगदान

पूर्णांक - 100

समय - तीनघंटे
विषयकोड - BGLG- 601

उद्देश्य -इसपाठ्यक्रमकोप्रारंभकरनेकाउद्देश्यनिम्नलिखितहै
1- उत्तराखंडसरकारद्वारागढ़वालीभाषाकेसंरक्षणकेलिएकिएगएप्रयासोंकाअध्ययनकरना।
2- गढ़वालीलोकगीतोंकाअध्ययनकरना।

निर्धारितपाठ्यक्रम:
1-गढ़वालीलोकगीतअर्थएवंस्वरुप
2- गढ़वालीलोकगीतविविधा
3- गढ़वालीलोकगीतोंकावर्गीकरण
4- गढ़वालीभाषाकेविकास में सरकारकाप्रदेय– धगुलि,हंसुलि, छुबकि, पैजबिऔर झुमकिकाविश्लेषण

सहायकग्रंथ:
1-गढ़वाली लोकमानस - शिवानंद नौटियाल
2-गढ़वालीलोकगीतविविधा -डॉ.गोविंदचातक
3- गढ़वाली भाषा और उसका साहित्य – डॉ. हरिदत्त भट्ट 'शैलेश'